वार्षिक प्रतिवेदन
2024-25

उरमूल सीमांत समिति

उरमूल सीमांत परिसर, बज्जू तेजपुरा, बीकानेर - 334305, मेल आई डी - urmul@seemant.org

अनुक्रमाणिका

क्र सं	विषय	पृष्ठ सं
1	बहुला कार्यक्रम	2-3
2	शैक्षिक कार्यक्रम	3-4
3	आयवर्धन कार्यक्रम	4-5
4	डेयरी एवं जैविक कृषि फार्म	5-6
5	मिशन बायोगैस	6-7
6	नेशनल लेवल मॉनिटरिंग (NLM)	7-8
7	वित्तीय प्रतिवेदन	8-9

1. बहुला कार्यक्रम

बहुला कार्यक्रम का लक्ष्य कृषि-डेयरी और कारीगरी मूल्य श्रृंखलाओं को सशक्त बनाना, किसानों, पशुपालकों और कारीगरों की आय में वृद्धि करना तथा उन्हें आत्मनिर्भर उद्यमी के रूप में विकसित करना है। यह कार्यक्रम 54 गाँवों में संचालित होकर लगभग 20,000 लोगों तक प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से पहुँचा है।

1.1. जैविक खेती और मृदा पुनर्जीवन

- 416 किसानों के साथ काम कर रासायनिक मुक्त खेती को बढ़ावा दिया गया एवं 4 टन काले गेंहु के बीज को खरीदा गया जोकि बीज बैंक के माध्यम से किसानों में वितरित की जाएगी।
- स्लरी के प्रयोग से मृदा की उर्वरक क्षमता के सुधार पर काम किया गया।

1.2. डेयरी मूल्य श्रृंखला और उत्पाद विकास

- अप्रैल से जून 2024 के दौरान 67,756 लीटर A2 गाय का दूध और 4,652 लीटर ऊँटनी का दूध खरीदा गया।
- इससे पाश्चुरीकृत ऊँटनी का दूध, बिलौना घी, A2 दूध, छाछ, दही और पनीर जैसे उत्पाद विकसित हुए।

1.3. लघु उद्यमिता

- गोविन्दसर गाँव में 2 *कैटल फीड लघु उद्यमी* तैयार किए गए।
- इस मॉडल से गुणवत्तापूर्ण पशु आहार की आपूर्ति सुनिश्चित हुई और उद्यमियों को अतिरिक्त आय मिली (₹34,770/तिमाही)।

1.4. बाजार हस्तक्षेप और आय वृद्धि

- 130 से अधिक किसानों को सीधे **₹23,05,460/-** की आय मिली।
- नियमित रूप से 1000 लीटर A2 दूध और 150-200 लीटर ऊँटनी का दूध बीकानेर बाज़ार में आपूर्ति हुआ।
- IDF रिजनल डेयरी कॉन्फ्रेंस एशिया पेसिफिक 2024 (कोच्चि) में बहुला ने पैनलिस्ट के रूप में भाग लिया।
- राजस्थान बजट पूर्व चर्चा (21 जून 2024) में ऊँटपालकों के साथ मुख्यमंत्री से सीधी बातचीत कर *ऊँट संरक्षण* पर ठोस नीति-निर्णय सुनिश्चित किया गया।

1.5. पशु स्वास्थ्य शिविर

- 5 शिविर आयोजित कर 2,059 पशुओं को स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान की गईं।

1.6. कारीगरी मूल्य श्रृंखला और प्रशिक्षण

- ऊन, फेल्ट और कढ़ाई पर 6 उन्नत प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित हुए, जिनसे 100+ कारीगर लाभान्वित हुए।
- 6,000 मीटर कपड़ा, 10 नई *कलेक्शन* और 400 *ऊन बैट्स* तैयार किए गए।
- बैंगलोर दस्तकार प्रदर्शनी (15–21 मई 2024) में भागीदारी से कारीगरों को ₹4,86,485/- की आय हुई। कुल मिलाकर इस तिमाही में कारीगरों और पशुपालकों को ₹7,95,867/- की आय सुनिश्चित हुई।
- *ऐमजॉन* पर Urmul Desert Crafts स्टोर लॉन्च किया गया, जिससे उत्पादों की ई-कॉमर्स बिक्री शुरू हुई।

यह कार्यक्रम जून 2024 तक रहा। इस तीन वर्षीय यात्रा में संस्था ने किसानों, कारीगरों और पशुपालकों के साथ मिलकर कृषि-डेयरी और कारीगरी मूल्य श्रृंखला को मजबूत करने, आजीविका में वृद्धि करने और समुदाय को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में ठोस प्रगति की है।

2. शैक्षिक कार्यक्रम

3.1. मरु एकता छात्रावास

मरू एकता छात्रावास की स्थापना का मुख्य उद्देश्य थार मरुस्थल के दूरस्थ गाँवों की बालिकाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सुरक्षित आवासीय सुविधा और व्यक्तित्व विकास के अवसर उपलब्ध कराना है। छात्रावास केवल रहने और पढ़ाई की जगह नहीं है, बल्कि यह बालिकाओं को आत्मनिर्भर, जागरूक और भविष्य के लिए तैयार करने का एक सशक्त मंच है।

- **स्वअध्ययन एवं पठन-पाठन की सुविधा** : छात्रावास में एक स्टडी रूम बनाया गया है, जहाँ बालिकाएँ प्रतिदिन निर्धारित समय पर अध्ययन करती हैं। जिसमें समाचार पत्र, शैक्षणिक पुस्तकें, पत्रिकाएँ और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी से संबंधित सामग्री उपलब्ध है।
- **प्रेरणा एवं मार्गदर्शन सत्र** : समय-समय पर मोटिवेशनल सत्र आयोजित किए गए, जिनमें विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े विशेषज्ञों ने बालिकाओं को लक्ष्य निर्धारण, समय प्रबंधन और आत्मविश्वास पर मार्गदर्शन दिया।

कैरियर काउंसलिंग सत्र के अंतर्गत छात्राओं को उच्च शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षाओं और व्यावसायिक अवसरों के बारे में जानकारी दी गई।

- **स्वास्थ्य एवं पोषण:** सभी 40 बालिकाओं का नियमित स्वास्थ्य परीक्षण कराया गया। पोषण संबंधी मार्गदर्शन एवं संतुलित आहार उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान दिया गया।

- **व्यक्तित्व एवं कौशल विकास:** थियेटर, समूह चर्चा और प्रस्तुति प्रतियोगिताओं के माध्यम से उनकी रचनात्मकता और संचार कौशल को बढ़ावा दिया गया। नियमित खेल गतिविधियों और योगाभ्यास से शारीरिक स्वास्थ्य और अनुशासन में सुधार हुआ। जीवन कौशल प्रशिक्षण जैसे टीमवर्क और नेतृत्व क्षमता पर भी कार्य हुआ।

3.2. आर.के.सी.एल. (RKCL) केंद्र

छात्रावास में कंप्यूटर शिक्षा केंद्र स्थापित है, जहाँ बालिकाएँ बेसिक कंप्यूटर, इंटरनेट उपयोग और डिजिटल साक्षरता सीख रही हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) की शुरुआती ट्रेनिंग देकर उन्हें तकनीकी दुनिया से परिचित कराया गया। अंग्रेज़ी भाषा कौशल सुधारने के लिए Duolingo ऐप का प्रयोग किया जा रहा है, जिससे उनकी संचार क्षमता और आत्मविश्वास में वृद्धि हुई है।

विवरण	छात्र	छात्राएँ	कुल
अप्रैल 2024 – मार्च 2025 में नए प्रवेश	11	112	123

3. आयवर्धन कार्यक्रम

उरमूल सीमांत समिति द्वारा संचालित *आयवर्धन कार्यक्रम* का उद्देश्य ग्रामीण और मरुस्थलीय क्षेत्रों की महिला कारीगरों को आजीविका के सतत अवसर उपलब्ध कराना, उनकी पारंपरिक कला और कौशल को संरक्षित करते हुए आधुनिक बाजार से जोड़ना है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत महिलाओं को डिज़ाइन, उत्पादन, विपणन और उद्यमिता के क्षेत्र में सशक्त बनाया जा रहा है। कार्यक्रम न केवल उन्हें नियमित आय का स्रोत उपलब्ध कराता है, बल्कि उनकी सामाजिक पहचान और आत्मनिर्भरता को भी मजबूत करता है।

- **नए कलेक्शन का विकास :** विंटर कलेक्शन, मरु कलेक्शन, डेज़र्ट फ्लोरा, ईयररिंग, चंदेरी साड़ी और हिरणी कलेक्शन जैसे आकर्षक उत्पाद तैयार किए गए। कलेक्शन में विविधता लाकर बाजार की मांग और फैशन ट्रेंड्स के अनुरूप उत्पाद उपलब्ध कराए गए।

- **फोटो शूट एवं प्रचार-प्रसार :** *सोहार्द कुशन* और *हेमा कलेक्शन* का फोटो शूट किया गया। इन विजुअल्स का उपयोग ऑनलाइन प्रमोशन, ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म और प्रदर्शनी में मार्केटिंग सामग्री के रूप में किया गया।

- **प्रदर्शनियाँ एवं बिक्री :** विजयवाड़ा, काला घोड़ा प्रदर्शनी (मुंबई), ताराग्राम प्रदर्शनी आदि के माध्यम से कशीदाकारी किए हुए कुर्ते, टॉप्स, दुपट्टे और कुशन कवर प्रदर्शित व बेचे गए। इन प्रदर्शनियों से कारीगर महिलाओं को प्रत्यक्ष लाभ और उत्पादों की राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली।

- **सैंपलिंग और ऑर्डर निष्पादन :** *उरमूल क्लासिक 2025, मंजरी, तिलोरी, सुचित, तनरिया, एको मालिका कलेक्शन, फेस्टिव कलेक्शन, विंटर कलेक्शन, कीएन कलेक्शन, हेयर क्लिप कलेक्शन* जैसे नए सैंपल कलेक्शन तैयार किए गए। प्रमुख ब्रांड्स एवं संस्थानों जैसे ओखाई, मेटाम्यूस, स्टूडियो मेट्टा म्यूस, तनायरा, तिलोरी पार्टी, ओखई कपड़े, स्टूडियो ऑर्डर आदि के लिये प्रोडक्शन और सैंपलिंग का कार्य पूरा किया गया।

4. डेयरी एवं जैविक कृषि फार्म

4.1. डेयरी फार्म प्रगति

क्र.सं.	गतिविधि का नाम	लक्ष्य	प्राप्ति	शेष	विवरण
1	डेय री में दूध बिक्री	9,300 लीटर	9,233.30 लीटर (₹3,04,352/-)	66.7 लीटर	दूध बिक्री लक्ष्य से थोड़ा कम रही
2	गाय बिक्री से आय	–	₹2,12,000/-	–	9 गाय एवं 1 बुल बेचे गए
3	गौमूत्र बिक्री	100 लीटर	4,090 लीटर	–	निर्धारित लक्ष्य से काफी अधिक
4	बायोगैस लिक्विड खाद बिक्री	₹1,000/-	0	₹1,000/-	उत्पादन प्रक्रिया में
5	जैविक फल, सब्जी, औषधीय पौध सामग्री व ट्रैक्टर सेवा से आय	₹11,000/-	₹11,435/-	–	लक्ष्य से अधिक प्राप्ति

कुल आय: ₹5,32,877/-
कुल व्यय: ₹5,05,701/-
कुल लाभ: ₹27,176/-

4.2. जैविक कृषि फार्म

उरमूल सीमांत समिति द्वारा विकसित डेमो फार्म किसानों और पशुपालकों के लिए एक जीवंत प्रशिक्षण एवं प्रदर्शन स्थल के रूप में कार्य कर रहा है। इस फार्म का उद्देश्य टिकाऊ खेती, स्वच्छ ऊर्जा, जैविक खाद उत्पादन और बहु-आय स्रोतों को प्रदर्शित करना है, ताकि किसान अपनी भूमि और संसाधनों का अधिकतम उपयोग कर सकें। यह मॉडल न केवल आयवर्धन बल्कि पर्यावरण संरक्षण और मिट्टी की उर्वरकता पुनर्जीवन की दिशा में भी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

- **फलदार पौधों का प्रबंधन एवं संख्या का दस्तावेजीकरण:** फार्म में पहले से लगाए गए पौधों की सटीक संख्या का रिकॉर्ड तैयार किया गया है। वर्तमान में कुल 384 पौधे हैं, जिनमें – किन्नू – 31, अनार – 31, नींबू – 101, आँवला – 71, बेर– 9, शहतूत – 11, मोरिंगा – 100, गुन्दा – 27, खजूर – 1, बेलपत्र – 2

- **बायोफर्टिलाइज़र मॉडल :** बायोगैस यूनिट से निकलने वाली स्लरी को बायो-फरमेंटर के माध्यम से प्रोसेस कर लिक्विड एवं सॉलिड खाद बनाने का कार्य किया जा रहा है। यह खाद खेतों में मृदा उर्वरक क्षमता बढ़ाने और रासायनिक उर्वरकों के विकल्प के रूप में काम आ रही है। आगामी समय में इस खाद को मार्केट में बिक्री हेतु उपलब्ध कराने की योजना है।

- **डेमो और प्रशिक्षण गतिविधियाँ :** फार्म पर नियमित रूप से किसानों और समुदाय के प्रतिनिधियों के लिए डेमो विजिट एवं प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए जा रहे हैं। किसान बायोगैस, स्लरी उपयोग और जैविक खेती के लाभ प्रत्यक्ष देख रहे हैं, जिससे क्षेत्र में इन नवाचारों को अपनाने की रुचि बढ़ रही है।

5. मिशन बायोगैस

इस वर्ष *मिशन बायोगैस* के तहत 800 से अधिक बायोगैस यूनिट्स स्थापित किए गए, जिससे समुदाय स्तर पर ऊर्जा और खाद दोनों की उपलब्धता सुनिश्चित हुई। इन यूनिट्स से प्रतिदिन हजारों किलोग्राम गोबर का उपयोग कर न केवल स्वच्छ ईंधन (प्रति परिवार औसतन 2 सिलेंडर के बराबर गैस प्रतिमाह) उपलब्ध हो रही है, बल्कि 160–170 लीटर प्रतिदिन स्लरी भी उत्पन्न हो रही है, जिसे खेतों में डालने से मिट्टी की उर्वरक क्षमता और जल धारण शक्ति में उल्लेखनीय सुधार देखा गया है।

कार्यक्रम के *दूसरे चरण* में संस्था ने किसानों को क्रेडिट लिंकज के माध्यम से *फार्म पोंड* और *ट्यूबवेल परियोजनाओं* में सहयोग प्रदान किया। इससे लगभग 120 किसानों को जल संरक्षण और सिंचाई की स्थायी सुविधा मिली, जिसके परिणामस्वरूप खरीफ व रबी दोनों सीजन में उत्पादन क्षमता बढ़ी।

प्रमुख बिन्दुः

- 800+ परिवारों को स्वच्छ ईंधन और खाद की सुविधा।
- सालाना लगभग 6,000–7,000 टन कार्बन उत्सर्जन में कमी, जो जलवायु परिवर्तन से निपटने की दिशा में बड़ा कदम है।
- स्लरी उपयोग से किसानों की रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम हुई, जिससे औसतन ₹8,000–10,000 की वार्षिक बचत प्रति किसान हुई।
- फलोदी जिले में एक जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन जिसमें हरजी अटल , जिलाधीश, फलौदी सहित 100 से अधिक किसान शामिल हुए।

6. नेशनल लेवल मॉनिटरिंग (NLM)

उरमूल सीमांत समिति को ग्रामीण विकास मंत्रालय एवं पंचायतीराज मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा विभिन्न योजनाओं की राष्ट्रीय स्तर पर मॉनिटरिंग की ज़िम्मेदारी सौंपी गई। इस प्रक्रिया के तहत संस्था ने अक्टूबर 2024 में त्रिपुरा राज्य के सेपहिजला एवं खोवाई जिलों, तथा उत्तर प्रदेश राज्य के औरैया और फर्रुख़ाबाद जिलों में गहन मॉनिटरिंग कार्य किया।

मुख्य मॉनिटरिंग बिंदुः

- **प्रधानमंत्री आवास योजना (PMAY)** – लाभार्थियों के चयन, निर्माण की गुणवत्ता और समयबद्धता का आकलन।
- **मनरेगा (MGNREGA)** – रोजगार उपलब्धता, कार्यस्थलों की स्थिति, मजदूरी भुगतान और पारदर्शिता की समीक्षा।
- **राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (NRLM)** – स्वयं सहायता समूहों (SHGs) के गठन, उनकी गतिविधियों और वित्तीय समावेशन का मूल्यांकन।
- **सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रम** – वृद्धावस्था पेंशन, विधवा पेंशन एवं दिव्यांग पेंशन योजनाओं के लाभार्थियों की वास्तविक स्थिति की जाँच।
- **प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (PMGSY)** – सड़कों की गुणवत्ता, रखरखाव और ग्रामीण संपर्कता की स्थिति का मूल्यांकन।
- **डिजिटल इंडिया लैंड रिकॉर्ड मॉडर्नाइजेशन प्रोग्राम (DILRMP)** – भूमि अभिलेखों के डिजिटलीकरण एवं किसानों को सुविधा की उपलब्धता का आकलन।

- **ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण कार्यक्रम (RSETI)** – युवाओं को दिए जा रहे प्रशिक्षणों की गुणवत्ता और उनके बाद स्वरोजगार की स्थिति की समीक्षा।
- **स्वामित्व योजना** – ग्रामीण संपत्तियों के अभिलेख बनाने और डिजिटल मैपिंग की स्थिति की जाँच।
- **पंचायत सत्यापन** – ग्राम पंचायतों द्वारा योजनाओं के क्रियान्वयन, पारदर्शिता और सामाजिक अंकेक्षण की स्थिति का मूल्यांकन।

7. वित्तीय प्रतिवेदन

7.1. INCOME & EXPENDITURE

EXPENDITURE	EXPENSES	INCOME	RECEIPT
Bank Charge & Interest Paid	311.00	Interest Received	4,34,562.00
Light & Water Expenses	14,29,064.00	Light & Water Receipt	44,925.00
Residence & Bedding Expenses	3,88,652.00	Residence & Bedding Receipt	7,19,258.00
Mess Expenses	21,70,849.00	Mess Receipt	23,72,893.00
Travelling expenses	73,791.00	Sale of Scrap	5,440.00
Office Expenses	33,784.00	Data Survey Receipts	26,660.00
Staff Salaries & Allowance	13,33,263.00	Guest House Receipt	1,21,200.00
RKCL Programme Expenses	1,25,500.00	RKCL Programme Receipt	1,36,600.00
Board Meeting Expenses	11,595.00	NGO Management cost	5,56,014.00
Innovation Fund Expenses	47,154.00	Innovation Fund receipts	1,66,353.00
Balika Hostel Contribution Expenses	2,29,373.00	Balika Hostel Contribution Receipts	5,32,028.00
Vehicle Expenses	2,43,870.00	Vehicle Receipts	3,31,489.00
Audit Fees	29,500.00	Donation Received	4,90,000.00
Staff Insurance Expenses	5,936.00		
Compensation Expenses	1,00,000.00		
Total Expenses	**62,22,642.00**	**Total Income**	**59,37,422.00**
Excess Of Income over Expenditure	**-**	**Excess Of Expenditure Over Income**	**2,85,220.00**

7.2. Project Grant Receipt & Expenditure Statement

S. No.	Name of Project / Agency	Recoverable Project Grant (01-04-2024)	Unspent Project Grant (01-04-2024)	Grant Received During the Period	Expenditure During the Period	Recoverable Project Grant (31-03-2025)	Unspent Project Grant (31-03-2025)
1	Mission Biogas Programme	-	75,18,110.00	2,13,42,310.00	1,89,12,924.00	-	46,57,188.00
	Balika Hostel Programme	-	-	52,90,308.00	-	-	-
2	HDFC Bank Ltd. (Bahula Programme)	-	-	37,67,600.00	37,67,600.00	-	-
3	National Level Monitoring (NLM)	-	-	-	3,56,926.00	3,56,926.00	-
4	WaterHarvest	-	33,172.00	-	-	-	33,172.00
5	Online Giving Foundation	-	-	39,436.82	39,436.82	-	-
	Total	**-**	**75,51,282.00**	**2,51,49,346.82**	**2,83,67,194.82**	**3,56,926.00**	**46,90,360.00**